सं. घो.वि./एफ. डी.-2/15-84/9624.—चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं. पी. एच. फोर्राजन्स, प्लाट नं० 300, सैक्टर-24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री दलीप सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भौधोगिक विवाद है;

्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपवारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तिओं का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यनाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की घारा 7(क) के अधीन औद्योगिक अधि-करण, हरियाणा, फरीदावाद, को नीचे निर्देश्य विवादग्रहा या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिए निदिष्ट करते हैं :---

क्या श्री दलीप सिंह की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

दिनांक 7 मार्च, 1984

सं. श्रो.बि./फरीदावाद/20-84/9819---चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मै० एस. जी. स्टील प्रा. लि., प्लाटं नं. 6, सैक्टर् 4, इण्डस्ट्रीयल-कम-हाऊसिंग इस्टेट, वल्लवगढ़ (फरीदाबाद), के श्रमिक श्री श्री निवास तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई भोबोगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांक्रनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रव, श्रीधागिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपद्यारा (1) के खण्ड (भ) द्वारा प्रदान की गर्ड शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7(क) के श्रधीन श्रीधोगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को गीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रवन्धकों के भव्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं :--

क्या श्री श्री निवास की सेवार्क्स का समापन न्यायोचित तना ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं ओ.वि./फरीदाबाद/20-84/9826.—चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि.मै० एस. जी स्टील प्रा. लि., फ्लाट नं. 6, सैक्टर 4, इण्डस्ट्रीयल-कम-हार्असंग इस्टेट, बल्लबगढ़ (फरीदाबाद) के श्रमिक श्री मथुरा प्रसाद तथा उसके प्रबन्धकों कि मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रव, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (घ) हारा प्रदान की गई विश्विक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके हारा राज्य सरकार द्वारा उन्त ग्रिधिनियम की घारा 7(क) के ग्रधीन श्रौद्योगिक विश्विकरण, हरियाणा, फ़रीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्वन्धित मामले श्रीमक तथा प्रबन्धकों के विषय न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री मधुरा प्रसाद की सेवाओं का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

. स॰ ब्रो.वि./फरीदाबाद/20-84/9833.—चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं. एस. जी. स्टील प्रा. लि., प्लाट तं॰ 6, सैक्टर 4, इण्डस्ट्रीयल-कम-हाऊसिंग इस्टेट, बल्लबगढ़ (फरीदाबाद), के श्रमिक श्री जगवीश सिंह तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ब्रीधोगिक विवाद है:

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, झब, श्रौद्योगिक विवाद प्रविनियम, 1947 की घारा 10 की उपघारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की घारा 7(क) के श्रधीन श्रौद्योगिक प्रविकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रवन्धकों के सध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री जगदीश सिंह की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदौर है ?